खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. काव्येषु नाटकं रम्यं तत्र रम्या शकुन्तला की समीक्षा कीजिए।

11. महाकवि कालिदास के काल निर्धारण की समीक्षा कीजिए।

12. अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रकृति चित्रण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

13. प्रत्यय किसे कहते हैं ? कृदन्त तथा तद्धित प्रत्ययों की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

SA–05

June – Examination 2023

B.A. (Part III) Examination

SANSKRIT

(नाटक एवं व्याकरण)

Paper : SA-05

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) अभिज्ञानशाकुन्तलम् का कथानक कहाँ से लिया गया है ?

   (ii) नेपथ्य का क्या अर्थ है ?

   (iii) कालिदास के खण्डकाव्यों के नाम लिखिए।

   (iv) शकुन्तला को शाप किसने दिया ?

(v) तारकितम् किस सूत्र से सिद्ध होता है ?

(vi) आः! कथमतिथिं मां परिभवसि-यह कथन किसका है ?

(vii) पच् धातु के लृट्लकार उत्तम पुरुष बहुवचन में क्या रूप है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहितुः।
जातो ममायं विशदः प्रकामं, प्रत्यर्पित न्यास इवान्तरात्मा॥

अथवा

(ब) सरसिजमनुविद्धं शैवलेनापि रम्यं
मलिनमपि हिमांशोर्लक्ष्म लक्ष्मीं तनोति।
इयमधिकमनोज्ञा वल्कलेनापि तन्वी
किमिव हि मधुराणां मण्डनं नाकृतीनाम्॥

3. नाटक में विषकम्भक को स्पष्ट कीजिए।

4. अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक के नामकरण की संक्षिप्त समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों को सोदाहरण सिद्ध कीजिए :

(क) भावे।

(ख) नन्दिग्रहिपचादिभ्यो ल्युणिन्यचः।

(ग) सार्वधातुकार्धधातुकयोः

(घ) सुप्यजातौ णिनिस्ताच्छील्ये।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों की सिद्धि कीजिए :

(क) शैवः

(ख) जनता

(ग) मन्त्री

(घ) पचः

7. 'भवतः' धातुरूप की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए।

8. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के कालिदास का उपमा प्रयोग को संक्षेप में रेखांकित कीजिए।

9. अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक को विशिष्ट क्यों कहा गया है ? इसे संक्षेप में समझाइए।